भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
राज्य सभा
लिखित प्रश्न संख्या: 34
सोमवार, 20 जुलाई, 2026 (29 आषाढ़, 1948, (शक((को दिया जाने वाला
उत्तर

विमानन क्षेत्र में कौशल विकास

34. **श्री नीरज डांगी:**

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) ड्रोन, हवाई यातायात प्रबंधन तथा विमानन साइबर सुरक्षा जैसे नए तकनीकी क्षेत्रों में प्रशिक्षण प्रदान करने की योजना का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने कौशल विकास कार्यक्रमों के लिए किसी अंतरराष्ट्रीय विमानन संस्था अथवा विदेशी विश्वविद्यालय के साथ साझेदारी की है;

(ग) विमानन क्षेत्र में महिलाओं तथा अन्य अल्पसंख्यक समूहों को प्रशिक्षण एवं रोजगार उपलब्ध कराने के लिए कौन-कौन सी विशेष पहल की जा रही हैं; और

(घ) सरकार ने आगामी पाँच से दस वर्षों के दौरान विमानन क्षेत्र में मानव संसाधन की कितनी आवश्यकता का अनुमान लगाया है और इस आवश्यकता की पूर्ति के लिए कौन-कौन से कौशल विकास कार्यक्रम लागू किए जा रहे हैं?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क): सरकार ने विमानन के उभरते क्षेत्रों में कौशल विकसित करने के लिए कई कदम उठाए हैं:

(i) ड्रोन (संशोधन) नियम, 2022 ने ड्रोन प्रशिक्षण और प्रमाणन को उदार बनाया है। 30 जून 2026 तक, डीजीसीए ने 270 रिमोट पायलट प्रशिक्षण संगठनों (आरपीटीओ) को मंजूरी दी है, जिन्होंने 47,945 रिमोट पायलटों को प्रशिक्षित और प्रमाणित किया है।

(ii) वायु यातायात प्रबंधन (एटीएम) में प्रशिक्षण भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के तीन प्रशिक्षण संस्थानों के माध्यम से दिया जाता है।
(iii) इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाईअड्डे, दिल्ली में विमानन साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण सुविधाएं स्थापित की गई हैं।

(ख) : नागर विमानन के क्षेत्र में प्रशिक्षण, अनुसंधान और विकास में सहयोग के लिए भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) और सिंगापुर के नागर विमानन प्राधिकरण (सीएएएस) के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। एएआई ने जनवरी 2026 में प्रत्येक 23 अधिकारियों के 5 बैचों के लिए वैश्विक एसीआई-आईसीएओ एयरपोर्ट मैनेजमेंट प्रोफेशनल एक्रेडिटेशन प्रोग्राम (एएमपीएपी) आयोजित करने के लिए एयरपोर्ट्स काउंसिल इंटरनेशनल (एसीआई) के साथ एक समझौते पर भी हस्ताक्षर किए हैं।

(ग) : विमानन क्षेत्र में कौशल विकास को बढ़ावा देने और महिलाओं तथा समाज के अन्य वर्गों की भागीदारी बढ़ाने के लिए:

(i) एएआई ने अपने सीएसआर पहल के तहत चंडीगढ़ और मुंबई में मल्टी स्किल डेवलपमेंट सेंटर स्थापित करने के लिए राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) और राष्ट्रीय कौशल विकास निधि (एनएसडीएफ) के साथ दो त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं।
(ii) एएआई की सीधी भर्ती परीक्षाओं में महिला उम्मीदवारों को शुल्क में छूट प्रदान की जाती है।

)घ(: विमानन क्षेत्र देश में सबसे तेजी से बढ़ने वाले क्षेत्रों में से एक है और इसकी मानव संसाधन आवश्यकता काफी हद तक बाजार संचालित है। उद्योग के अनुमानों के अनुसार, वर्ष 2035 तक लगभग 25,000 पायलटों की आवश्यकता होगी। इस आवश्यकता को पूरा करने के लिए, सरकार ने पायलट प्रशिक्षण, ड्रोन प्रशिक्षण, हवाई यातायात प्रबंधन प्रशिक्षण, हवाई अड्डा प्रबंधन कार्यक्रमों और अन्य विमानन-संबंधी कौशल पहलों के माध्यम से कौशल विकास को बढ़ावा दिया है।

*****